भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2722 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत बगहा रेलवे स्टेशन का विकास

2722. श्री सुनील कुमार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या बिहार और उत्तर प्रदेश की सीमा पर बगहा एक महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है जहां लंबी दूरी की कई महत्वपूर्ण रेलगाड़ियों का ठहराव है और यहां से राजधानी पटना के लिए भी एक रेलगाड़ी रवाना होती है;
- (ख) क्या बगहा रेलवे स्टेशन को प्रमुख वाणिज्यिक स्टेशन होने के बावजूद अभी तक अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल नहीं किया गया है; और
- (ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार बगहा रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल करके इसका विकास करने का है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग) रेल मंत्रालय ने भारतीय रेलवे पर रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है।

इस योजना में प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए, रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे रेलवे स्टेशन तक पहुंच मार्ग में सुधार, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनुसार लिफ्ट/एस्केलेटर प्लेफार्मों की सतह तथा प्लेफार्मों की छत, स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली; एकजीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोदिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार स्टेशन भवन में सुधार, रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण; मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों आदि की व्यवस्था, चरणबद्ध कार्यान्वयन तथा व्यवहार्यता आकलन एवं दीर्घवधि में स्टेशन पर सिटी सेक्टरों के निर्माण की परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1337 स्टेशनों को चिन्हित किया गया है, जिनमें से 98 स्टेशन बिहार राज्य में स्थित हैं। बिहार राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिन्हित किए गए स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बड़िहिया, बरौनी, बाढ़, बारसोई जंक्शन, बेगुसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहार शरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौरम

	<p>मधेपुरा, डेहरी ऑन सोन, ढोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गावती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जंक्शन, जमालपुर, जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जहानाबाद, झंझारपुर, कहलगांव, काढागोला रोड, कटिहार, खगड़िया जंक्शन, किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखीसराय, लखमीनिया, मधुबनी, महेशखूंट, मैरवा, मानसी जंक्शन, मशरख, मोकामा, मोतीपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नबीनगर रोड, नरकटियागंज, नौगछिया, नवादा, पहाड़पुर, पाटलिपुत्र, पटना, पीरो, पीरपैती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेंद्र नगर, राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, साबौर, सुगौली, सहरसा, साहेबपुर कमाल, सकरी, सलौना, सालमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढी, सीवान, सोनपुर जंक्शन, सुल्तानगंज, सुपौल, तारेगना, ठाकुरगंज, थावे</p>
--	---

बिहार राज्य में बगहा रेलवे स्टेशन को वर्तमान में 36 रेल सेवाएं उपलब्ध हैं, जिनमें पटना को जोड़ने वाली 15201/15202 बगहा-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस भी शामिल है।

बगहा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए विभिन्न सुविधाओं में सुधार/उन्नयन के लिए प्रतीक्षालय और वीआईपी लाउंज, शौचालय, परिसंचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग क्षेत्र, यात्री प्लेटफॉर्म सतह को उंचा करने और प्लेटफॉर्मों का विस्तार करने, प्लेटफॉर्म शैल्टर, नए पैदल पार पुल के निर्माण आदि के प्रावधान के साथ नए स्टेशन भवन का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/विकास/पुनर्विकास एक सतत् और चालू प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं, जो पारस्परिक प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अधीन है। हालांकि, स्टेशनों के

उन्नयन/विकास/पुनर्विकास के लिए कार्यों को स्वीकृति देने और निष्पादित करते समय निम्न श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

स्टेशनों के विकास और रखरखाव के लिए निधियों के आवंटन का विवरण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है। बिहार राज्य चार जोनों अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अंतर्गत आता है। इन क्षेत्रों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आवंटन की राशि 2,166 करोड़ रुपए है।